

33/68

5237/01

0



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

048737



विश्वनाथ मिश्र



विक्रम मिश्र



द्विजन्म मूल्य : ₹ 8,87,145/-  
 बाजार मूल्य : ₹ 4,54,800/-  
 स्थान्य शुल्क : ₹ 111,800/-  
 परगना : बिजौद

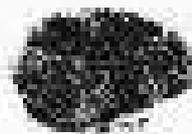
श्री: विश्वनाथ मिश्र लोक ज्ञान, राम नरसिंह व किशुन मुनियन  
 मुनि, निवासीगण-श्याम-सुसुत नगर, मनिचामल, परगना-  
 बिजौद, तहसील व जिला लखनऊ जिन्हें श्याम मिश्रतामन वरा



श्री: श्री लखनऊ



श्री: श्री लखनऊ



श्री: श्री लखनऊ



श्री: श्री लखनऊ









उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

015159



- 1 -

शगियामऊ, परगना-सिखनीर, तहसील व जिला-बलरामपुर, की  
 खलिक, कापिल व कब्रिज हैं, अल भूमि विंशलागण को विंशला  
 में स्थित है। उक्त विंशला शर्यादिक कालीनी क्रम संख्या-132  
 के आधार पर विंशलागण का नाम सदास्य अभिलेखा के संलग्नीय  
 मुक्ति के क्रम में दर्ज हो चुका है। विंशलागण अपना लक्षण



विंशलागण



विंशलागण



विंशलागण



विंशलागण



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

018160



- 4 -

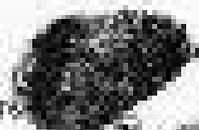
हिसा अपने नुं हाशो खास में लिखा लिटी ओट बनवल्ली ना  
 खाम के, नेता को इस विवरण बिलख द्वारा दिखय कर रहा है  
 विवरणगत उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के मालिक, कामिल व कामिल है  
 एव वर्तमान समय में उक्त भूमि खुषि भूमि है, और यह कि  
 विवरणगत यह घोषित करता है कि उपरोक्त घोषित भूमि लयी



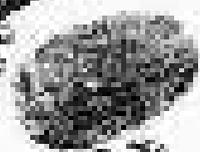
1. 1. 1. 1.



2. 2. 2. 2.



3. 3. 3. 3.



4. 4. 4. 4.



5. 5. 5. 5.



73498

- 5 -

प्रकार के भारों से मुक्त एवं पाक व साफ है तथा विच्छेदागण ने उसे इस विच्छेद के पूर्व कहीं खस, हिबा, गिट्टी या अनुसन्धित इन्चादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि या उसका कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्रवाही के अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही कृष्ण इन्चादि है। विच्छेदागण के अलावा उपर





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

611073



- 5 -

भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का ह्यत्व, हक या दावा इत्यादि नहीं है. एवं विक्रेतागण को उक्त वित्तन अन्तरण करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सहमति के फलस्वरूप रु० 8,87,145/- (रुपया आठ लाख सत्तासी हजार एक सौ पचास मात्र) के प्रतिफल में, जिसका कि उपरोक्त क्रमांका द्वारा



वि. प्र. अ. वि. नं. १२३४



वि. प्र. अ. वि. नं. १२३४



वि. प्र. अ. वि. नं. १२३४



वि. प्र. अ. वि. नं. १२३४



- 7 -

विक्रंतागण की इस विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार मुगताग कन्ट दिखा गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रंतागण यहाँ स्वीकार करता है, तदनुसार उक्त विक्रंतागण उक्त वंशता को हाथ उपरोक्त वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस विवरण विलेख के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को



वि. सं. १०६५५५५



वि. सं. १०६५५५५



वि. सं. १०६५५५५



वि. सं. १०६५५५५



- 8 -

कतई बंध दिया है, एवं विक्रतागण ने विक्रतचशुदा भूमि का भीके पर कब्जा क्रेता को बखूबी कटा दिया गया है। अब उक्त आराजी पर विक्रतागण तथा उसके वारिसगण का कोई अधिकार नहीं है। विक्रतागण ने विक्रतचशुदा सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया व हमेशा के लिए क्रेता को हस्तांतरित

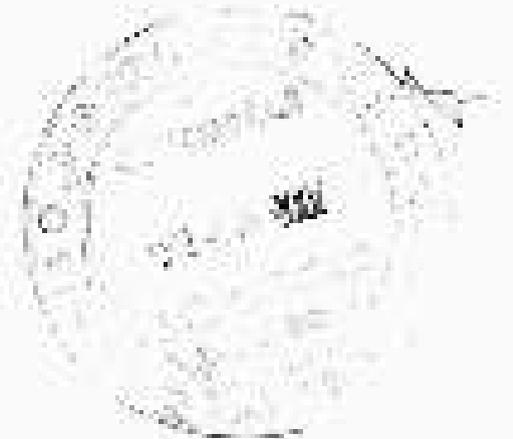


वि. सं. १५६४२११



वि. सं. १५६४२११

वि. सं.  
१५६४२११



- 9 -

कट दिया है। अब जेला विक्रयशुदा सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व उपभोग करेंगे। विक्रयशुदा उसमें किसी प्रकार की मददगार बाधा नहीं डाल सकेंगे एवं न ही कोई गंग कट सकेंगे। और यदि विक्रयशुदा सम्पत्ति अथवा कोई भाग



वि. श. विक्रयशुदा



वि. श. विक्रयशुदा





- 10 -

विक्रेतागण के स्वामित्व में त्रुटि के कारण वा कानूनी अडघन वा कानूनी त्रुटि के कारण क्रेता वा उसके वारिसान निष्पादकागण इत्यादि के कब्जे वा अधिकार वा स्वत्व से निकल जाये तो क्रेता उसके वारिसान, निष्पादकागण इत्यादि को यह हक होगा कि वह अपना समस्त नुकसान मध हर्जा व खर्चा, विक्रेतागण की छत,





अबल सम्पत्ति से जरिवे अदालत वसूल कर ले। उस स्थिति में विवेकात्मक एवं उसके वाद्विस्तार इजाजत व खर्चा देने हेतु वाप्य होगा।

यह कि जेता विवेकात्मक सम्पत्ति की वाद्विस्तार खासिज राजस्व अभिलेखों में अपने नाम दर्ज करा ले तो विवेकात्मक को कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विवेकात्मक विलेख के पूर्व का अगर कोई क्वाथा किसी तरह का गार इस सम्पत्ति पर होगा तो

  
 श्री. जे. क. सिंह

  
 श्री. जे. क. सिंह

  
 श्री. जे. क. सिंह



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 12 -

उसको विक्रीतागण भुगतान न गहन करेगी, विक्रीतागण को कर्दे आपत्ति न होगी।

बह कि उपरोक्त खसरा नम्बर घाम मुसुफ नगर, बगियाबाऊ, आर्षनगरीय क्षेत्र के सामान्य ग्राम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित सरफिन्स रेट रु० 11,00,000/- प्रति हेक्टेयर के हिसाब से विक्रीत भूमि 0.368 हेक्टेअर की मालियत रु० 4,04,800/- होती है। चूंकि विक्रय मूल्य, भूमि की बाजार मूल्य

  
R. K. Singh

  
R. K. Singh

  
R. K. Singh

  
R. K. Singh



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 13 -

से अधिक है इसलिए नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही रु० 88,000/- जनरल स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि के उपयोग के लिए तैयार की जा रही है। इस भूमि में कोई कुआँ, नाला, व निर्माण आदि नहीं है, तथा 200 मी० के अर्पणालय में कोई निर्माण नहीं है विक्रीत भूमि किसी लिंक मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि शहीद पथ से लगभग 500 मीटर से अधिक की दूरी पर स्थित है।





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 14 -

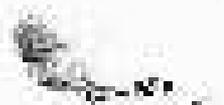
विक्रमलागण एवं क्रेता दोनों अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। इस विक्रय बिलेख के निष्पन्न का समस्त व्यय क्रेता द्वारा वहन किया गया है।

लिहाजा यह विक्रय बिलेख विक्रमलागण ने क्रेता के पत्र में लिख दिया ताकि सन्दर्भ ले और आवश्यकता पड़ने पर काम आये।

  
 जिला कलेक्टर

  
 क्रेता

  
 [Signature]

  
 [Signature]

परिशिष्ट : विद्यमान विक्रयशुदा सम्पत्ति का विवरण

सत्वापित षट्षाधिक खतीनी सन् 1408 से 1413 फसली के खाता खतीनी क्रम सं० 132 के अन्तर्गत संख्या-99 खय्या 0.368 हेक्टर, स्थित ग्राम-युसुफ नगर, बगियानऊ, परगना-बिजौर, तहसील व जिला-लखनऊ जिलाकी घोहड़ी निम्न है।

खसरा न० 99

पूर्व	: खसरा संख्या-101
पश्चिम	: खसरा संख्या-98
उत्तर	: खसरा संख्या-97
दक्षिण	: खसरा संख्या-100

परिशिष्ट : मुगतान विवरण

कुल विक्रय मूल्य रू० 8,87,145/- (अथवा आठ लाख सत्तासी हजार एक सौ पैतालिस मात्र) में से सोहन लाल को रू० 2,95,715/- (दो लाख पनचानबे हजार सात सौ पन्द्रह मात्र) को चेक सं० 445 से 558 व राम प्रसाद को रू० 2,95,715/- (दो लाख पनचानबे हजार सात सौ पन्द्रह मात्र) को चेक



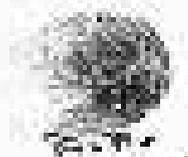
वि. प्र. लखनऊ



वि. प्र. लखनऊ



वि. प्र. लखनऊ



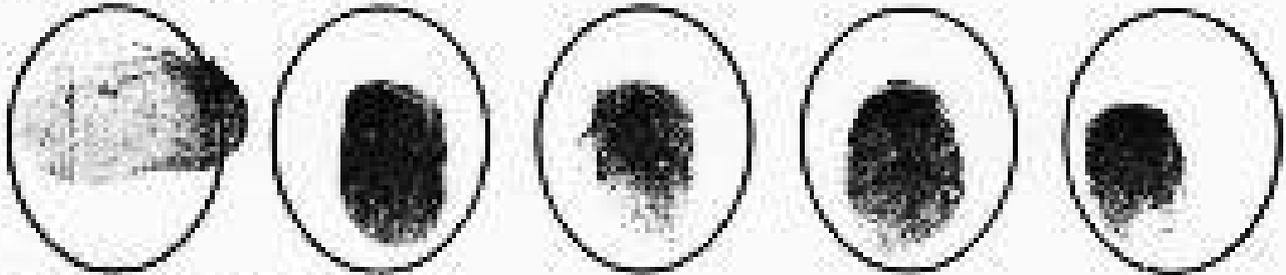
वि. प्र. लखनऊ



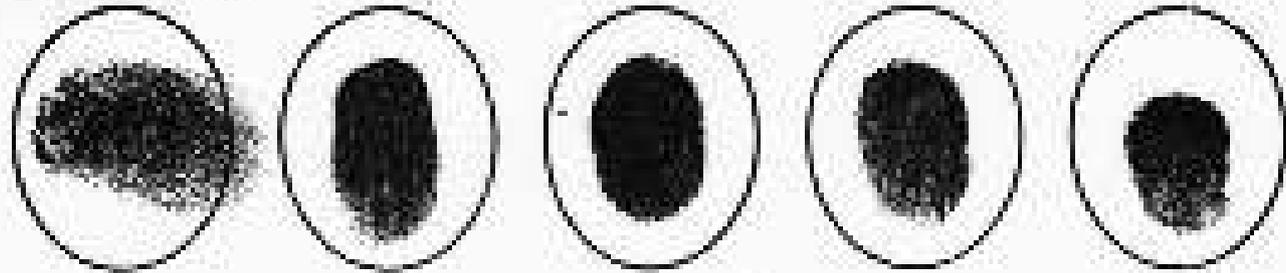
# रजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की धारा 32-ए, के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिन्टर्स

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का नाम व पता :- उमेश चंद्र ठाकुर 5/6 गुन्ना  
कै. 21/11/2017 पिन-201005

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

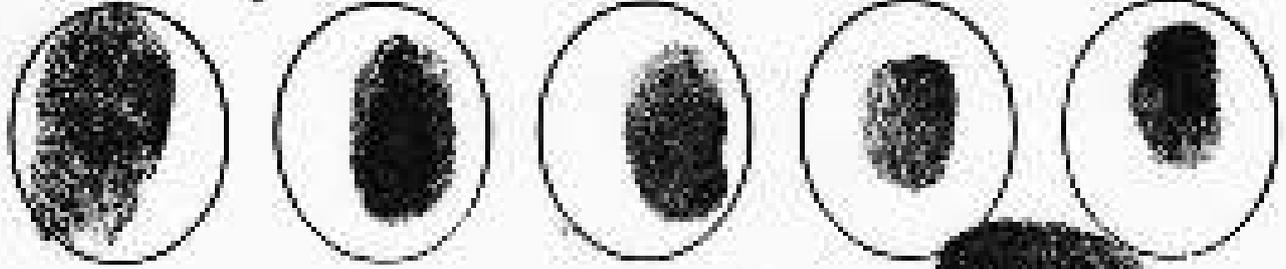


विक्रेता/क्रेता का नाम व पता :- उमेश ठाकुर  
कै. 21/11/2017 पिन-201005

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



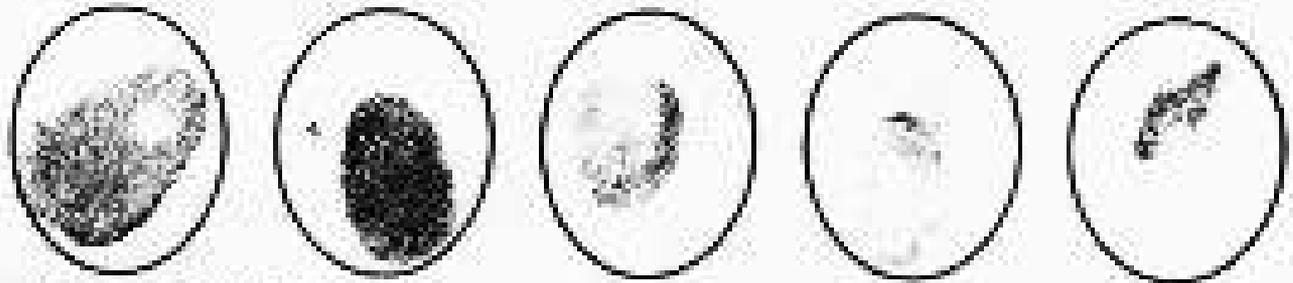
उमेश ठाकुर  
कै. 21/11/2017 पिन-201005

# रजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की धारा 32-ए, के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिन्ट्स

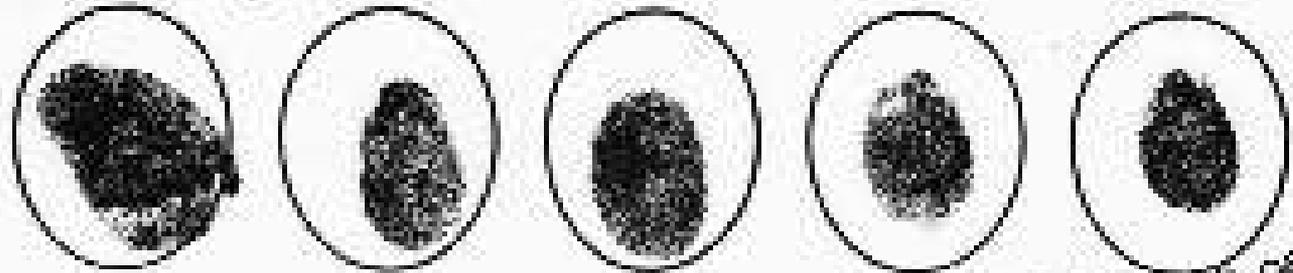
प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का नाम व पता :-

*240*

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



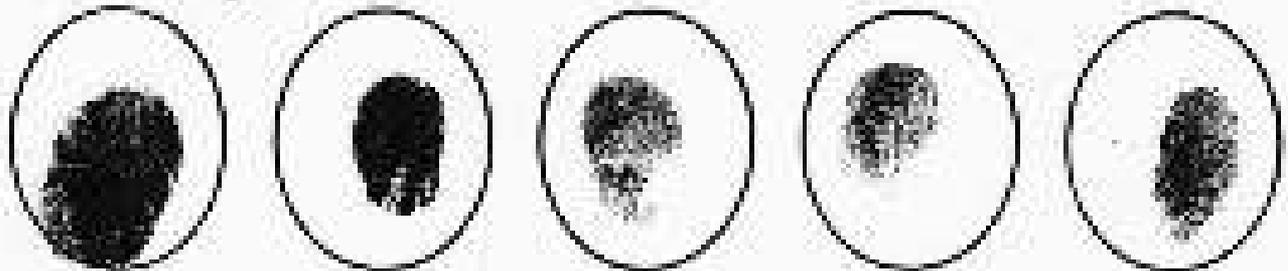
प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का हस्ताक्षर

*Handwritten signature*

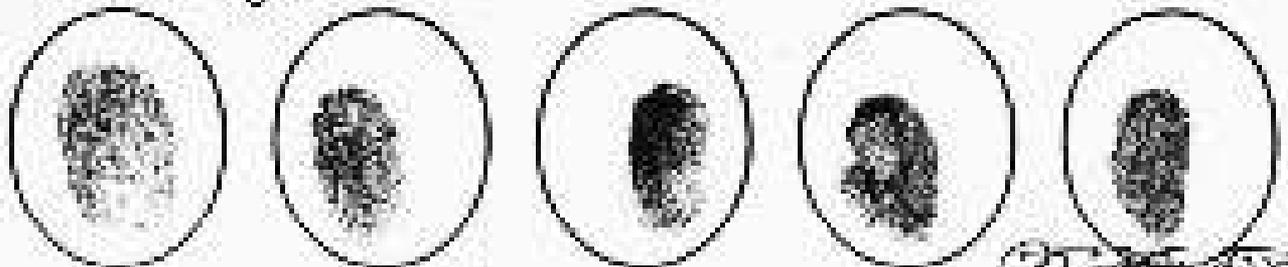
विक्रेता/क्रेता का नाम व पता :-

*राज कर्त*

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



*Handwritten signature*

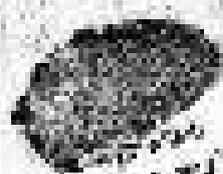
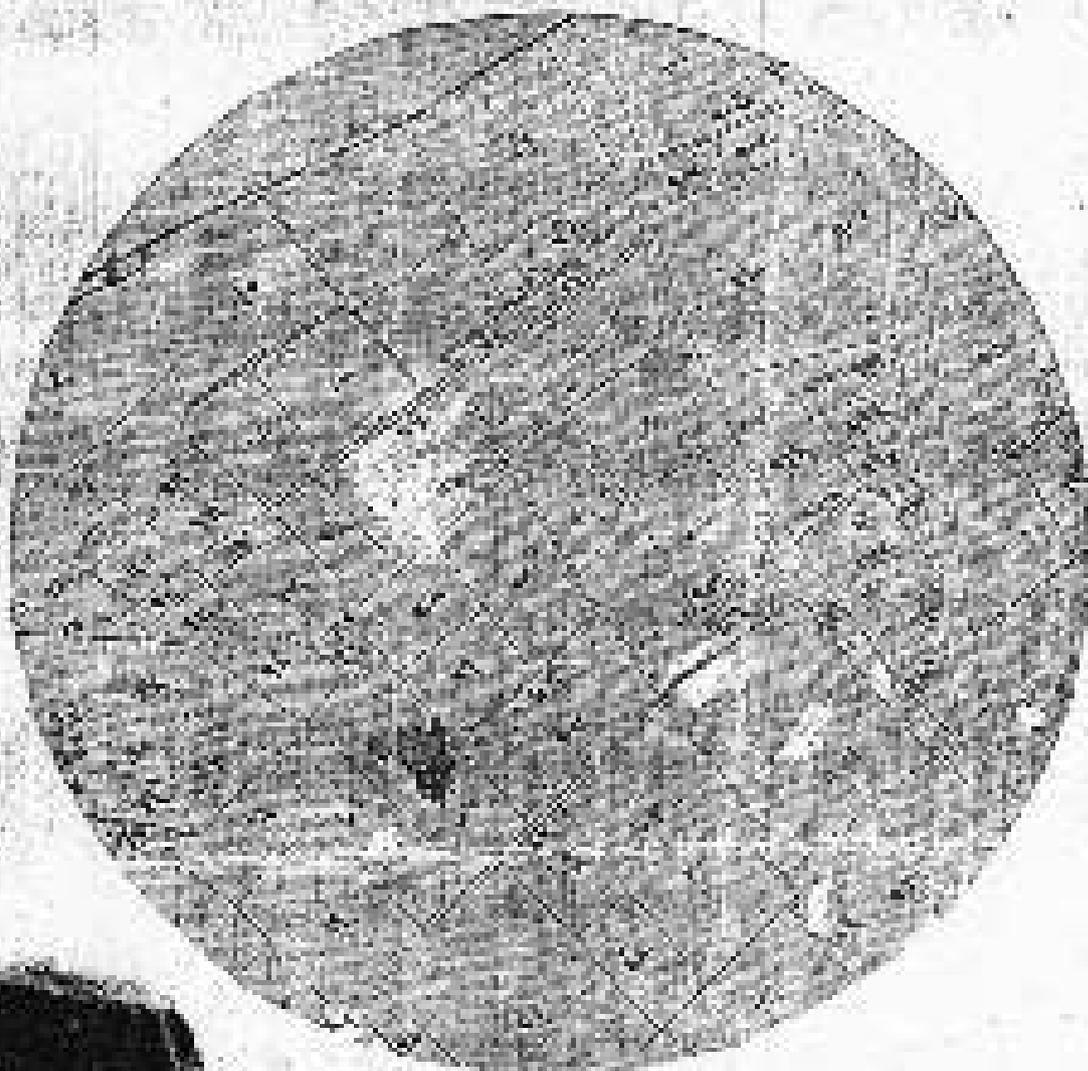
संज्ञा : - सुसुप्तकाली कीकृत

संख्या क्र. : - ११

दिनांक : - सोमवार, १०/११/५६, विराट

पृ. सं. : - ११२०००

१०० बी. विद्या के कक्षागत विषय समस्त परीक्षाधीनता का विवरण



११/११/५६

क्रमांक १२७०७  
आय विवरण १२७०७  
कुलक मत्वा १२७०७  
वृत्त ३७९  
अधिक १२७०७  
सहायक (विषय)  
सहायक

